भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
05.02.2020 के
अतारांकित प्रश्न सं. 636 का उत्तर

तमिलनाडु में सब-वे

636. डॉ. डी. रविकुमारः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या तमिलनाडु में रेलवे द्वारा निर्मित अधिकांश सब-वे बारिश के दौरान जलमग्न हो जाते हैं और बरसात के मौसम में बेकार हो जाते हैं और यदि हां, तो क्या सरकार द्वारा इन दोषपूर्ण सब-वे को सुधारने के लिए कार्रवाई किए जाने की संभावना है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

तमिलनाडु में सब-वे के संबंध में दिनांक 05.02.2020 को लोक सभा में डॉ॰ डी॰ रविकुमार के अतारांकित प्रश्न संख्या 636 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग): जी नहीं। तमिलनाडु राज्य में निर्मित किए गए अधिकतर सबवे जलमग्न नहीं हैं। वर्षा ऋतु के दौरान, केवल कुछ चिह्नित सबवे में जल निकासी की समस्या होती है जिसके लिए रेलवे जल निकासी में सुधार करने के लिए कार्रवाई कर रही है। जलनिकासी में सुधार हेतु निम्नानुसार कार्रवाई की गई है:

(i) जल निकासी व्यवस्था के प्रावधान को इसकी उचित कार्यप्रणाली के लिए योजना स्तर पर ही निचले सड़क पुल (आरयूबी)/ सीमित ऊंचाई के सबवे (एलएचएस)/ सबवे के निर्माण का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है। योजना और निष्पादन में बहते जल का संग्रह और अंतिम मुहाने तक इसका निपटान शामिल है।

(ii) मानसून के दौरान महत्वपूर्ण स्थानों पर सम्प और पंप की व्यवस्था की गई है।

(iii) साइट की स्थिति के अनुसार रैंप/पहुंच मार्ग पर किफायती डिजाइन का कवर शेड मुहैया कराया जा रहा है।

(iv) स्थल की स्थिति के अनुसार वर्षा जल संरक्षण की योजना बनाई जा रही है।

(v) प्रबलित सीमेंट कंक्रीट (आरसीसी) बॉक्स के जोड़ों को ठीक से सील किया जा रहा है।

(vi) आसपास के जल का प्रवाह मोड़ने हेतु जलनिकासी की व्यापक व्यवस्था की जा रही है।

******